Report

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायतशासी संस्थान राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नयी दिल्ली (National Institute of Social Defence,New Delhi)द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के सहयोग से "**To prevent alcohol and drug abuse in the family, schools/college and community"**नामक विषय पर दिनांक 22/03/2019 को कार्यशाला का आयोजन ऋषिकेश नगर निगम के बापूग्राम के गंगोत्री विद्या निकेतन हाईस्कूल सुमन विहार के प्रांगण मे किया गया। कार्यशाला का मैंती संस्था की अध्यक्ष श्रीमती कुसुम जोशी, गंगोत्री विद्या निकेतन हाईस्कूल के संस्थापक श्री वंशीधर पोखरियाल, सेवानिवृत वैज्ञानिक बी.एल. बडोला और उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने किया |

डॉ कमल डिमरी ने अपने संबोधन में कहा कि युवा पीढ़ी को मद्यपान एवं नशे के चुंगल से बचने की सलाह दी | मद्यपान एवं नशा शरीर के अंगो का नुकसान करता है हमारे शरीर के महत्वपूर्ण अंग किडनी –लीवर काम करना बंद

कर देते हैं| साथ ही आदमी का मस्तिष्क काम करना बंद कर देता है | श्री बंशीधर पोखरियाल ने कहा कि शराब एवं नशे के कारण शहर ही नहीं अपितु पहाड़ के गाँव में अपराध बढ़े हैं| दिन प्रतिदिन शराब पीने के कारण परिवार में कलह की बातें आये दिन समाचारों में सुनने और प□ने को मिल रही है जोकि चिंताजनक है| वर्तमान में जनचेतना और शराब विरोधी आन्दोलन से □सेसे छु□कारा पाया जा सकता है|साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा के माध्यम से □स प्रकार की कुरीतियों को समाप्त करने में सराहनीय प्रयास कर रहा है |मुख्य अतिथि श्रीमती कुसुम जोशी ने कहा कि शराब के कारण केवल एक व्यक्ति नही बल्कि पूरा परिवार दुखी एवं परेशान होता है| विवाह समारोह में बढ़ते शराब के प्रचलन को दुखदायी बताया क्यूंकि □सेसे समाज को ही हानि होती है |

श्रीमती विनय बोडाई ने अपने उद्बोधन में आज वर्तमान समय मे युवा उपेक्षा का शिकार होकर धीरे-धीरे नशे की गिरफ्त मे जा रहा हैं। नशे में लिप्त व्यक्ति को समाज और परिवार के लिए दुखदायी बताया और वर्तमान पीढ़ी को शराब व नशे के खिलाफ एकजु□होने का आह्वान किया | श्री बी.एल. बडोला ने वर्तमान पीढ़ी को शराब व नशे के खिलाफ एकजु□होने का आह्वान किया |कार्यशाला संयोजक डॉ० सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा अपने उद्बोधन में कार्यशाला का उद्देश्य मद्यपान एवं नशा के ब□ते प्रभाव पर रोक लगाने और युवा पीढ़ी को नशे एवं शराब की गिरफ्त में फंसने से बचाना है| राष्ट्रीय समाज संस्थान नई दिल्ली के सहयोग से मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अभी तक राज्य में पूर्व में आयोजित कार्यशाळा की जानकारी दी|

कार्यशाला में श्री प्रमोद मलासी द्वारा स्कूली बच्चों को नशे केप्रभावों व उनसे बचाव के बारे में बताया गया और साथ ही नशा मुक्ति केन्द्रों के क्रियाकलापों का ज्ञान दिया गया|

|

राम प्रसाद उनियाल द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया |कार्यशाला में ऋषिकेश क्षेत्र के कॉलेज के शिक्षकों सहित छात्र-छात्राये उपस्थित रहे|

दैनिक जागरण

शराब की लत परिवार को करती है बर्बाद

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी एवं राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में नशे व शराब के दुष्प्रभाव विषय पर चर्चा की गई।

गुरुवार को गंगोत्री विद्या निकेतन हाईस्कूल बापूग्राम में नशे एवं शराब का परिवार समाज एवं विद्यालय पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मैत्री संस्था की संस्थापक कुसुम जोशी व विद्यालय के संस्थापक बंशीधर पोखरियाल ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य वक्ता डॉ. कमल डिमरी ने कहा शराब के सेवन से हमारे शरीर के साथ साथ मन मस्तिष्क पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है, व्यक्ति के सोचने समझने की शक्ति क्षीण हो जाती है। नशे का दुष्प्रभाव व्यक्ति को चेतना शून्य बना देता है। कुसुम जोशी ने कहा कि शराब के कारण व्यक्ति ही नहीं अपितु पूरा परिवार नष्ट हो रहा है, लोग विवाह समारोह में शराब के प्रचलन को बढ़ावा दे रहे हैं जोकि समाज के लिए नुकसानदायक है। बंशीधर पोखरियाल ने कहा कि वर्तमान में शराब के कारण पहाड़ों में अपराध बढ़ रहे हैं।

कार्यशाला के संयोजक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य नशे एवं शराब से होने वाली हानि एवं हमारे परिवार, समाज, पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी समाज के विभिन्न इकाइयों तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा शीघ्र ही राष्ट्रीय समाज सुरक्षा संस्थान नई दिल्ली के सहयोग से नशे के प्रति जागरूक करने के लिए एक प्रशिक्षण संस्थान राज्य में खोलने का अनुरोध किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रमोद मालासी, कवि नरेंद्र व्यास, विनय बोडाई, यज्ञव्रत पोखरियाल, रामप्रसाद उनियाल, पंकज, अंशुल, मदनलाल पाली उपस्थित रहे।

अमर उजाला ऋषिकेश amarujala.com 23/03/2019

शराब पीने से मस्तिष्क पर पड़ता है दुष्प्रभाव : डॉ. कमल

गंगोत्री विद्या निकेतन हाईस्कूल में नशे के कारण परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव विषय पर कार्यशाला

अमर उजाला ब्यूरो

ऋषिकेश । उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी व राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान नई दिल्ली के के तत्वावधान में नशे से परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। शुक्रवार को बापू ग्राम स्थित गंगोत्री विद्या निकेतन हाई स्कूल परिसर में

आयोजित कार्यशाला का मैत्री संस्था की संस्थापक कुसुम जोशी व विद्यालय के संस्थापक बंशीधर पोखरियाल ने संयुक्त रूप से शुभारंभ किया।

कार्यशाला में डॉ. कमल डिमरी ने कहा कि शराब पीने से शरीर के साथ ही मन मस्तिष्क पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। कुसुम जोशी ने बताया कि शराब के कारण व्यक्ति ही नहीं पूरा परिवार परेशान होता है। लोग विवाह समारोह में शराब के प्रचलन को बढ़ावा दे रहे हैं जोकि समाज के लिए नुकसानदायक है।

शिक्षण संस्थानों के माध्यम से जनचेतना के कार्यों को करने में सफलता मिलती है। मुक्त विश्वविद्यालय का यह प्रयास सराहनीय है। बंशीधर पोखरियाल ने कहा कि वर्तमान में शराब के कारण पहाड़ों में अपराध बढ़े हैं। इसका कारण जनचेतना की कमी व शिक्षा का अभाव है।

डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य नशे व शराब से होने वाली हानि और हमारे परिवार, समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी लोगों तक पहुंचाना है।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रमोद मलासी, बीएल बडोला, नरेंद्र व्यास, विनय बोडाई, यशवंत पोखरियाल, रामप्रसाद उनियाल, पंकज, अंशुल, मदनलाल पाली आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय सहारा

शराब के कारण पहाड़ में बढ़ रहे अपराध

■ ऋषिकेश (एसएनबी)।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी एवं राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान नई दिल्ली के सहयोग से नशे एवं शराब का परिवार व समाज और विद्यालय पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव संबंधी विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन गंगोत्री विद्या निकेतन हाईस्कूल बापूग्राम में किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन मैती संस्था के संस्थापक कुसुम जोशी और विद्यालय के संस्थापक बंशीधर पोखरियाल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यशाला में डा.कमल डिमरी ने कहा शराब के सेवन से हमारे शरीर के साथ-साथ मन मंस्तिष्क पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है, व्यक्ति के सोचने समझने की शक्ति क्षीण हो जाती है। नशे का दुष्प्रभाव व्यक्ति को चेतना शून्य बना देता है। मुख्य वक्ता कुसुम जोशी ने बताया कि शराब के कारण व्यक्ति ही नहीं अपितु पूरा परिवार नष्ट हो रहा है। लोग विवाह समारोह में शराब के प्रचलन को बढ़ावा दे रहे हैं जो कि समाज के लिए नुकसानदायक है। विवाह एवं अन्य मांगलिक कार्यो में उनके द्वारा शराबबंदी के प्रयास किए जा रहे हैं । शिक्षण संस्थानों के माध्यम से जनचेतना के कार्यो को करने में सफलता मिलती है मुक्त विश्वविद्यालय का यह प्रयास सराहनीय है। बंशीधर पोखरियाल ने कहा कि वर्तमान में शराब के कारण पहाड़ों में अपराध बड़े हैं, जिसका कारण जनचेतना की कमी एवं शिक्षा का अभाव है। वर्तमान में शिक्षा के माध्यम से नशे के खिलाफ जनजागरण कर नशा व शराबबंदी की जा सकती है।

कार्यशाला के संयोजक डा. सिद्धार्थ पोखरियाल ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य नशे और शराब से होने वाली हानि एवं हमारे परिवार, समाज, पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी समाज के विभिन्न इकाइयों तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा शीघ्र ही राष्ट्रीय समाज सुरक्षा संस्थान नई दिल्ली के सहयोग से नशे के प्रति जागरूक करने के लिए एक प्रशिक्षण संस्थान राज्य में खोलने का अनुरोध किया जाएगा।